FEATCHERS-

महा गौरी Introduces समझ Application For LIVE Online Master Classes Is An Incredibly Personalized Tutoring Platform For You, While You Are Staying At Your Home. We Have Grown Leaps And Bounds To Be The Best Online Tuition Website In Amarpatan With Immensely Talented Teachers, From The Most Reputed Institutions.

TALLY.ERP9

SMART TALLY WITH G.S.T. ACCOUNTANT

ATUL PANDEY

HEAD OF THE INSTITUTION

POWERD BY-SAMAJH APP

---ACCOUNTING---

एकाउंटिंग क्या है? (What is accounting)

Accounting ko हिंदी mein लेखांकन kaha jata है। ये process होता है जो की Financial Aspects (वित्तीय पहलुओ) को record रखता है। Accounting का process किसी भी organization या business में हो रहे financial transactions के बारे में लिखित रूप में जानकारी रखता है।

Accounting में जितना विज्ञान है उतना ही कला भी। ये पैसों के लेनदेन को रिकॉर्ड करता है, वर्गीकृत यानि क्लासिफ़ाइ करते है, और उनके सारांश तैयार करके उनको इस प्रकार प्रस्तुत करते है, जिससे उनका विश्लेषण या निर्वचन हो सके।

Accounting एक विशेष प्रमुख से संबंधित सभी लेनदेन को क्रमबद्व करता है। Account या खाता किसी भी व्यक्ति या चीज़ से संबंधित लेनदेन के सारांश रिकॉर्ड को दर्शाता है। उदाहरण स्वरूप: जब कोई एंटिटी अलग अलग suppliers और consumers के साथ लेनदेन करती है, तो प्रत्येक suppliers और consumers एक अलग खाता होगा।

खाता tangible तथा intangible किसी भी चीजों से संबंधित हो सकता है जैसे की - ज़मीन, बिल्डिंग्स, फर्नीचर, etc. किसी खाते के बाएं हाथ को डेबिट ('डॉ') पक्ष कहा जाता है, जबकि दाएं हाथ को क्रेडिट ('क्र') पक्ष कहा जाता है।

Accounting के तीन मुख्य प्रकार What are Main Three Types of Accounting?)

Accounting तीन मुख्य प्रकार हैं:

Personal Account (व्यक्तिगत खाता)

जो account किसी भी व्यक्ति, organization, company से जुड़े होते हैं उसे Personal Account कहा जाता है। उदहारण स्वरूप, मोहन नाम के किसी इंसान का वक्तिगत खाता को कहा

जायेगा personal account (eg. – मोहन का खाता। Personal account के अंतर्गत निम्नलिखित खाते आते हैं:

- किसी व्यक्ति का account
- Bank account
- Capital account
- Supplier या customer account
- Financial और institution account
- Drawing account
- XYZ limited account etc.

Personal account के अन्दर वैसे सभी account आ जाते हैं जिससे हमें ये पता चलता है की किससे कितना पैसा लेना है या किसको कितना पैसा देना है। Personal Account का rule:

1. Debit होते है receiver.
2. Credit होते है Giver.

Real Account (वास्तविक खाता)

Real account या वास्तविक खाता वो है जो वस्तु या संपत्ति से related होते हैं। वास्तविक खता के ज़रिये assets (goods and services) और liabilities यानि ऋण या कर्जा से जुड़े जानकारी मिलती है। Real account निम्नलिखित प्रकार के होते हैं:

Tangible Real Accounts:

इनमें ऐसी संपत्तियां शामिल हैं जिनका भौतिक अस्तित्व है और जिन्हें छुआ जा सकता है। उदाहरण के लिए -

- Land account
- Building account
- Machinery account
- Furniture account
- Vehicles account

Intangible Real Accounts:

इन परिसंपत्तियों का कोई भौतिक अस्तित्व नहीं है और इन्हें छुआ नहीं जा सकता है। हालाँकि, इन्हें पैसों के मामले में मापा जा सकता है और इनका मूल्य हो सकता है। उदाहरण के लिए -

- Goodwill account
- Patent account
- Copyright account
- Trademark account etc.

Real Account का rule:

1. Debit है जो व्यवसाय में आता है।
2. Credit है जो व्यापार से बाहर चला जाता है।

Nominal Account (नाममात्र का खाता)

Nominal Account में आय (income) और खर्च (expenses) के बारे में जानकारी मिलता है। Nominal Account हमारी लाभ या हानि से जुडी information को रखता है।

Nominal Account का rule:

1. Debit है व्यवसाय के सभी खर्चें और नुक्सान
2. Credit है व्यवसाय की आय और लाभ

Nominal account निम्न प्रकार के होते हैं:

- Discount account
- Salary account
- Purchase account
- Interest account
- Wages account
- Commission pay or receive account
- Sales account etc
- Insurance account

इन तीन accounts के अलावा कुछ और प्रकार है:

- Cash Account:

इस खाते का उपयोग नकद, निकासी और जमा द्वारा किए गए भुगतानों के रिकॉर्ड रखने के लिए किया जाता है।

- Income Account:

इस खाते का उद्देश्य व्यवसाय के आय स्रोतों का रिकॉर्ड रखना है।

- Expense Account:

यह खाता व्यवसाय के व्यय को ट्रैक करता है।

- Liabilities Account:

यदि कोई ऋण या कर्ज है तो वह राशि liabilities के अंतर्गत आती है।

- Equity Account:

यदि खाते के मालिक या सामान्य शेयरों का निवेश है, तो कमाई को बनाए रखा जाता है, फिर ये Equity के अंतर्गत आते हैं।

Golden Rules Of Accounting क्या है ?

1. **व्यक्तिगत लेखा**(Personal Account)

व्यक्ति एवं संस्था से सम्बंधित लेखा को व्यक्तिगत लेखा कहते है । जैसे मोहन का लेख, शंकर वस्त्रालय का लेखा व्यक्तिगत लेखा हुआ ।

व्यक्तिगत लेखा का नियम *(Rule of Personal Account)*

पाने वाले को नाम (Debit The Receiver)

देने वाले को जमा (Credit The Giver)

स्पष्टीकरण :

जो व्यक्ति कुछ प्राप्त करते हैं उन्हें Receiver **कहा जाता है और उन्हें** Debit **में रखा जाता है । जो व्यक्ति कुछ देते है, उन्हें** Giver **कहा जाता है और उन्हें** Credit **में रखा जाता है।**

उदाहरण :

मोहन को 1000 **रुपया दिया गया, मोहन** 1000 **रुपया ले रहा है वह** Receiver **हुआ इसलिए उन्हें** Debit **में रखा जायेगा ।**

सोहन से 1000 **रुपया प्राप्त हुआ । सोहन** 1000 **रुपया देय रहा है वह** Giver **हुआ । इसलिए उन्हें** Credit **किया जायेगा ।**

2. **वास्तविक लेखा (**Real Account)

वस्तु एवं सम्पति से संबंधित लेखा को वास्तविक लेखा कहतें है । जैसे रोकड़ का लेखा, साईकिल का लेखा वास्तविक लेखा हुआ ।

वास्तविक लेखा का नियम *(Rule of Real Account)*

जो आवे उसे नाम (Debit what comes in)

जो जावे उसे जमा (Credit What goes out)

स्पष्टीकरण :

व्यवसाय में जो वस्तुएँ आती है उसे Debit **में रखा जाता है और व्यवसाय से जो वस्तुएँ जाती है उसे** Credit **में रखा जाता है ।**

उदाहरण :

मोहन से 1000 **रुपये प्राप्त हुआ । एक** 1000 **रुपया आ रही है इसलिए उसे** Debit **में रखा जाता है ।**

सोहन के हाथ घड़ी बेची गया । घड़ी जा रहा है इसलिए उसे Credit **में रखा जायेगा ।**

3. **अवास्तविक लेखा (**Nominal Account)

खर्च एवं आमदनी से सम्बन्धित लेखा को अवास्तविक लेखा कहा जाता है । जैसे किराया का लेखा, ब्याज का लेखा अवास्तविक लेखा हुआ ।

अवास्तविक लेखा का नियम *(Rule of Nominal Account)*

सभी खर्च एवं हानियों को नाम (Debit all expenses and losses)

सभी आमदनी एवं लाभों को जमा (Credit all incomes and gains)

व्यवसाय में जो खर्च होता है उसके नाम को Debit **किया जाता है । इसी प्रकार जो आमदनी होता है उसके नाम को** Credit **किया जाता है ।**

- **What is Direct and Indirect Expenses-**

  जैसा कि हम जानते हैं कोई भी business हो सबका एक ही उद्देश्य होता है कि ज़्यादा-से-ज़्यादा profit कमा सकें। इसके लिए वह अपने business में होने वाले खर्चों पर नज़र रखते हैं कि कितने Expenses कहाँ हो रहे हैं, Direct Expenses में कितने खर्चे हो रहे हैं, Indirect Expenses में क्या-क्या खर्चे हो रहे हैं।

- <u>**What Is Direct Expenses-**</u>

Direct Expenses में वो Expenses आते हैं जब कोई Company या Factory कोई चीज़ बनाती है और उसमें use होने वाले raw material को purchase करती है तो उसे purchase करते समय भी बहोत सारे खर्चे हो जाते हैं जैसे raw material को मँगाने में transportation के खर्चे, कारखाने या factory तक रखवाने के खर्चे फिर उसे बाद product को बनाने में भी बहोत सी चीजें involve होती हैं तब जाकर एक product ready होता है। अब ये सारे खर्चे जो raw material के मँगाने से लेकर उस product को बनाने तक के होते हैं, यही Direct Expenses (प्रत्यक्ष व्यय) **कहलाते हैं। इस तरह जब कोई Company raw material purchase करती है तो इसके लिए अलग-अलग expenses या charges pay करने पड़ते हैं। जैसे - Freight Expenses, Carriage Expenses, Wages ये सब** Direct Expenses **होते हैं।**

- <u>**What Is Indirect Expenses-**</u>

Indirect Expenses वो होते हैं जो किसी product के ready होने के बाद किये जाते हैं अर्थात production के बाद के जितने भी expenses होते हैं वह सारे Indirect Expenses में आते हैं। Indirect Expenses को किसी product की cost में नहीं जोड़ा जाता है। ये expenses product की selling में भी शामिल होते हैं यानी जब product का विज्ञापन और उसका प्रचार किया जाता है, उसके लिए agent की salary और उसका जो commission देते हैं तो ये सारे खर्चे भी Indirect nature के ही होते हैं। इसके अलावा Office Expenses, Telephone bill, Electricity Expenses, Travelling Expenses आदि ये सारे expenses भी business या company से related होते हैं और ये Indirect Expenses में आते हैं।

Direct Expenses	Indirect Expenses
• Wages	• Salary
• Freight	• Office Rent
• Octroi	• Office Lighting
• Carriage Inwards	• Telephone
• Import Duty	• Insurance
• Dock Charges	• Advertisement
• Gas, Fuel & Power	• Electricity
• Factory Rent	• Bad Debts
• Royalty	• Packing Charges
	• Staff Welfare

Accounting के कुछ विशेष terms (Important terms used in accounting)

Accounting के कुछ विशेष terms को समझना व्यापारियों के लिए ज़रूरी है जैसे के:

1. Accounts Payable (AP)

इसमें उन सभी खर्चों को शामिल किया जाता है जो एक व्यवसाय में हुआ है लेकिन अभी तक भुगतान नहीं किया है। ये Account बैलेंस शीट पर Liability के रूप में दर्ज किया जाता है क्योंकि यह company द्वारा बकाया ऋण है।

2. Accounts Receivable (AR)

इसमें एक कंपनी द्वारा प्रदान किए गए सभी बिक्री शामिल हैं, लेकिन अभी तक भुगतान एकत्र नहीं किया गया है। यह खाता एक बैलेंस शीट पर है, जिसे एक asset के रूप में दर्ज किया गया है जो आनेवाले कुछ दिनों में नकदी में परिवर्तित हो जाएगी।

3. Accrued Expense

ऐसा व्यय जो भुगतान नहीं किया गया है, लेकिन Accrued Expense शब्द से वर्णित है।

4. Asset (A)

कंपनी के पास कुछ भी है जिसका मौद्रिक मूल्य है। ये नकदी (सबसे अधिक liquid cash) से लेकर भूमि (कम से कम liquid cash) तक liquidity के क्रम में सूचीबद्ध हैं।

5. Balance Sheet (BS)

एक financial statement जो किसी company की सभी asset, liability और equity पर report करता है। इसे एक बैलेंस शीट समीकरण द्वारा तय किया जा सकता है-

<Assets = Liabilities + Equity>.

6. Book Value (BV)

जैसे ही किसी संपत्ति का मूल्यह्रास या मूल्य कम किया जाता है, वह मूल्य खो देता है। बुक वैल्यू एक एसेट के मूल मूल्य को दर्शाता है।

7. Equity (E)

Liabilities को हटाए जाने के बाद equity बचे मूल्य को दर्शाता है। इसकी Equation को याद करें - Assets = Liabilities + Equity। अगर आप अपने assets लेते हैं और अपनी Liabilities को घटाते हैं, तो आपको equity के साथ छोड़ दिया जाता है, जो कि company का हिस्सा है जिसका दावेदार है investors और owners।

8. Inventory

Inventory एक ऐसी शब्द है जो company द्वारा इस्तेमाल होते है अपने खरीदी गई संपत्ति को वर्गीकृत करने के लिए और ग्राहकों को बेचने के लिए जो बिना बिके रह जाते हैं। ये आइटम ग्राहकों को बेचे जाते ही इन्वेंट्री अकाउंट कम हो जाएगा।

9. Liability (L)

कंपनी द्वारा अभी तक भुगतान किए गए सभी ऋणों को liabilities के रूप में संदर्भित किया जाता है। Common liabilities में Payable, Payroll, and Loans शामिल हैं।

10. Expense (Cost)

व्यापार द्वारा की गई कोई भी लागत Expense है।

11. Cost of Goods Sold

माल की उत्पाद या सेवा से जुडी खर्चों को कॉस्ट ऑफ़ गुड्स सोल्ड कहा जाता है। इस श्रेणी में शामिल नहीं वे लागतें हैं जिन्हें व्यवसाय चलाने के लिए आवश्यक है।

12. Gross Margin (GM)

Gross profit लेने और उसी अवधि के लिए Revenue द्वारा विभाजित करके गणना की गई एक percentage को Gross Margin कहा जाता है। ये गुड्स सोल्ड की लागत में कटौती के बाद एक कंपनी की profitability दिखाता है।

13. Gross Profit (GP)

Gross Profit एक कंपनी की profitability को इंगित करता है, बिना overhead खर्चों को ध्यान में रखे। ये उसी अवधि के लिए Cost of Goods Sold की लागत को घटाकर गणना की जाती है।

14. Net Income (NI)

Net Income एक ऐसी amount है जो profit से कमाया गया ho। ye calculated किया जाता है Revenue से us प्रावधान तक के sare Expenses जैसे के COGS, Overhead, Depreciation, and Taxes आदि को subtract करके।

15. Net Margin

Net Margin वो राशि है जो किसी company के revenue से related लाभ को दर्शाती है। इसकी calculation नेट आय लेने और एक निश्चित अवधि के लिए revenue से divide करके की जाती है।

16. Revenue (Sales) (Rev)

Revenue व्यवसाय द्वारा अर्जित कोई भी धन है।

Accounting के फायदें (Benefits of accounting):

1. व्यक्ति द्वारा सभी बातों को स्मरण रखना मुश्किल है और इससे गलतियां होने की संभानाएं भी बढ़ जाते है। व्यापार में रोज़ाना हज़ारों सैकड़ों लेन-देन होते हैं, कई चीज़ों का सौदा होता है। ये नकद और उधार दोनों हो सकते हैं। मजदूरी, वेतन, कमीशन, etc. रूप में भुगतान होते हैं। इन सभी को याद रखना संभव नहीं है। Accounting इस आभाव को दूर करता है।

2. Accounting business से जुडी बहुत सारि खबरें हम तक आसानी से पहुँचता है जैसे के:

- Profit और loss की जानकारी
- उधार-बाकि की जानकारी
- assets तथा loan की जानकारी
- business के turnover, economic conditions etc. की जानकारी

3. पैसों के लेनदेन प्रक्रिया में दूसरी व्यापारियों से पेमेंट से जुडी समस्या आने पर लेखांकन अभिलेखों को न्यायालय में प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

4. कर्मचारियों के salary, bonus, भत्ते, etc से संबंधित समस्याओं के calculation में मदद मिलती है

एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर क्या है और क्या करता है? *(What is accounting software in Hindi and what does it do?)*

एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर एक application software है जो वो सब कुछ करता है जो एकाउंटिंग बिज़नेस में ज़रूरत है लेकिन डिजिटल तरीके से करता है। लेखांकन सॉफ्टवेयर मूल्यांकन करता है और एक व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का ख्याल रखता है।

ये सॉफ्टवेयर एक एकाउंटिंग इनफार्मेशन सिस्टम के तरह आपके बिज़नेस से जुडी कुछ ज़रूरी हिसाब और दस्तावेजों के देखरेख करता है:

TALLY.ERP9 WITH GST.

- **आपके accounts/खाते:** खातों की देखभाल करना **एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर** का प्रमुख कार्य है। ये देय खातों (accounts payable) और प्राप्तियों (accounts receivable) का ध्यान रखता है, बैंकिंग से जुडी कार्य में आपकी सहायता करता है, आपको एक निश्चित समय सीमा पर सभी व्यय (expenditure), आय (revenue), ऋण (liabilities), और संपत्ति (assets) दिखाता है।
- **चालान और Bill:** बिल और चालान एक business का एक अन्य प्रमुख financial हिस्सा है। accounting software आपको ग्राहकों को चालान प्रदान करने और उनके लिए बिल तैयार करने में मदद करता है।
- **ट्रैकिंग सेल्स:** चालान और बिल के साथ, सिस्टम कुल बिक्री को ट्रैक करता है।
- **पेरोल मैनेजमेंट:** एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर कर्मचारियों को भी मैनेज करता है। ये उनके वेतन, मजदूरी, बोनस और हर वित्तीय मुआवजे का ख्याल रखता है।
- **इन्वेंटरी मैनेजमेंट:** इन्वेंटरी प्रबंधन business के लिए बहुत आवश्यक है। इस समाधान को लागू करने से स्टॉक प्रबंधन की स्थिति और भी बेहतर हो जाती है।
- **रिपोर्टिंग TAX:** वित्त पर समग्र रिपोर्ट बनाने के अलावा ये कर प्रबंधन का ध्यान रखता है।
- **बजट में मदद करना:** ये दस्तावेजों को हाथ में लेकर विश्लेषण करता है और पिछले लोगों से तुलना करता है और नए बजट बनाने में मदद करता है।

एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर अपनाने के 5 फायदें *(importance of accounting in hindi)*

एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर आपके बिज़नेस के कहते का रोज़ मर्रा के हिसाबों को आसान बनके बहुत फायदे करते हैं जैसे:

1. एक अच्छी एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर सिस्टम मैनुअल बुककीपिंग की तुलना में बहुत ज़्यादा समय बचता है।
2. मैन्युअल लेखा गणना में त्रुटियों की संभावना बढ़ जाती है। एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर गलतियों को कम करता है।
3. लीडिंग अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर सिस्टम उन्नत सुविधाएँ प्रदान करता है जैसे कि बिक्री योग्य डेटाबेस और सोफिस्टिकेटेड कास्टोमाइजेशन। स्टार्टअप और छोटे बिज़नेस के विस्तार के साथ साथ अपनी बढ़ती जरूरतों और मांगों को पूरा करने के लिए एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर बहुत ही लाभदायी है।
4. कंप्यूटराइज्ड सलूशन जैसे के ये सॉफ्टवेयर बहुत ही इजी तो लर्न होते हैं, बहुत ज़्यादा समय इसको सिखने में नहीं जाता है। इससे आप डिजिटल इनवॉइस बना सकते हैं, अपने ज़रूरतों के हिसाब से कॅश फ्लो मैनेज कर सकते है यहाँ तक के अपने सरे इन्वेंटरी का हिसाब बोहोत ही आसानी से रख सकते है।

5. अकौंटिंग प्लेटफ़ॉर्म उन कर राशि की गणना कर सकते हैं जिन्हें प्रत्येक चालान पर भुगतान करने की आवश्यकता होती है। इससे टैक्स रिपोर्ट करने में आसानी होती है।

कैसे चुनें अपने कंपनी के लिए एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर? (How to choose accounting software for your business?)

तेज़ी से बदलते हुए समय के साथ, कई समाधान बाजार में आ रहे हैं। सभी **एकाउंटिंग** (**accounting hindi**) सॉफ्टवेयर्स के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। इसलिए अपने कंपनी के लिए किसी भी सॉफ्टवेयर सिस्टम को चुनते समय, खोज बिन करने और एक बेहतर निर्णय लेने के लिए बहुत आवश्यक है के जानें के ऑनलाइन या ऑफलाइन - कौनसी एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर है आपके लिए उपयोग।

ऑफलाइन एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में बेहतर क्या है? (What is offline accounting software and what is online accounting software?)

टेक्नोलॉजी के आधार पर एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर दो प्रकार (**types of accounting in hindi**) के हैं:

ऑफलाइन: एक ट्रेडिशनल PC आधारित तकनीक, CD से इनस्टॉल किया जा सके ऐस,

ऑनलाइन: विकसित तकनीक, क्लाउड तथा इंटरनेट आधारित, जिसमे ऑनलाइन एक्सेस मिले कभी भी, कहीं भी।

ऑफलाइन सॉफ्टवेयर्स को एक डिफ़ॉल्ट के साथ सेट किया जाता है और अगर उन्हें बदलना पड़ता है तो पूरे कॉन्फ़िगरेशन को बदलना पड़ता है, जो की फ्लेक्सिबिलिटी में कमी लाती है। ओफ्फिलिने और क्लाउड बेस्ड एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर क्या हैं बेहतर जानने के लिए हमें और गभीराई से ऑनलाइन और ऑफलाइन एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर को समझना चाहि।

ऑफलाइन एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का डिसअडवानटेज या नुकसान क्या है? What is the disadvantages of offline or basic accounting softwares?

ये रहा 8 डिसअडवानटेज या नुकसान जो आपको बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं:

1. एक ऑफ़लाइन एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर या एक ईआरपी प्रणाली की इंस्टालेशन का शुल्क महंगा है। और ईआरपी सलाहकार बहुत महंगे हैं और बजट का 60% तक लेते हैं।

2. ऐसे सॉफ्टवेयर पे एकाउंटिंग के लिए आपके कंपनी के पास ऐसे कर्मचारी होना ज़रूरी है जो सॉफ्टवेयर से अच्छी तरह से वाकिफ है। अगर ऐसा नहीं है तो ये एक विफलता हो सकती है या कौशल प्राप्त करने में कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए लागत में इजाफा हो सकता है।
3. ऐसे ऑफलाइन और ट्रेडिशनल सॉफ्टवेयर से काम करने के लिए अगर विभिन्न विभागों के कर्मचारी अपने विभाग की जानकारी किसी और विभाग से शेयर करने के बारे में आशंकित होते है और ऐसे जानकारी पूरी नहीं हो पाती ह।
4. GST के नियमों में कोई भी बदलाव होने पर हर बार डाउनलोड करने की आवश्यकता है
5. ऐसे सॉफ्टवर्स में POS और अकाउंटिंग लिंक नहीं किया गया है।
6. बिक्री प्रबंधन (CRM चालान आदि) लिंक नहीं किए गए हैं।
7. Basic ऑफलाइन एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर (basic accounting in hindi) में डेटा खोने का जोखिम रहता हैं क्यों की कंप्यूटर में डेटा बिना किसी बैकअप के सहेजा जाता है, अगर संयोग से PC में कोई परेशानी होने या PC विफल हो जाता है तो डेटा खो जाएगा।
8. पासवर्ड अगर एक बार सेट किया गया है और अगर आप इसे खो देते हैं, तो डेटा खोने की संभावना अधिक है। और अगर एक बार डेटा खो जाता है तो आप इसे पुनः प्राप्त नहीं कर पाएंगे। (क्लाउड बेस्ड एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में डेटा क्लाउड में सेव्ड रहता है।

लेखांकन की कुछ महत्वपूर्ण शब्दावली (Important Terminology of Accounting) :

व्यापार (Trade) : कोई भी ऐसा कार्य में जिसमे वस्तुओ का क्रय - विक्रय लाभ कमाने के उद्देश्य से किया जाता है वह व्यापार कहलाता है !

पेशा (Profession) : कोई भी ऐसा कार्य जिसमे पूर्व प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है पेशा कहलाता है ! जैसे - डॉक्टर , वकील , सीए आदि !

व्यवसाय (Business) : ऐसा कार्य जो लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से किया गया हो व्यवसाय कहलाता है !

मालिक (Owner) : वह व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह जो व्यापार में आवश्यक पूंजी लगाते है , व्यापार का संचालन करते है , जोखिम उठाते है तथा लाभ - हानि के अधिकारी होते है वह व्यापार के मालिक कहलाते है !

पूंजी (Capital) : वह धनराशि जो व्यापरी , व्यापार को शुरू करने हेतु लगाता है पूंजी कहलाती है !

TALLY.ERP9 WITH GST.

आहरण (Drawings) : जब कोई व्यापारी अपने व्यावसाय से रोकड़ या माल निकालता है तो इसे आहरण कहते है !

माल (Goods) : जिस वस्तु से व्यापारी व्यापार करता है वह माल कहलाता है !

क्रय (Purchase) : जो माल व्यापारी द्वारा दूसरे व्यापारी से ख़रीदा जाता है क्रय कहलाता है !

विक्रय (Sales) : जो माल बेचा जाता है वह विक्रय कहलाता है !

क्रय वापसी (Purchase Return) : ख़रीदे हुए माल में से जो माल विक्रेता को वापस कर दिया जाता है वह क्रय वापसी कहलाता है !

विक्रय वापसी (Sales Return) : जब बेचे हुए माल में से कुछ माल वापस आ जाता है तो इसे विक्रय वापसी कहते है !

रहतियाँ (Stock): साल के अंत में जो माल बिना बीके रह जाता है वह *Stock* कहलाता है !

लेनदार (Creditors) : वह व्यक्ति या संस्था जो किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को उधार माल या पैसा देती है वह ऋणदाता या लेनदार कहलाती है !

देनदार (Debtors) : वह व्यक्ति या संस्था जो किसी अन्य व्यक्ति या संस्था से उधार माल या पैसा लेती है ऋणी या देनदार कहलाती है !

सम्पतिया (Assets) : व्यापार में समस्त वस्तुए जो संचालन में सहायक होती है सम्पति कहलाती है !

खाता (Ledger) : लेजर एक बुक होती है जिसमे सभी प्रकार के खातों की एंट्री की जाती है !

डूबत ऋण (Bad Debts) : जब उधार की राशि वापस नहीं मिलती है तो उसे डूबत ऋण कहते है !

बट्टा (Discount) : व्यापारी द्वारा दी जाने वाली रियायत छूट या बट्टा कहलाती है !

व्यय (Expenses) : माल को खरीदने तथा बेचने के दौरान जो खर्चे होते है वह व्यय कहलाते है !

महा गौरी कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान के ऑनलाइन एप्लीकेशन समझ अप्प ज्वाइन करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद!

IF UNHAPPY-PLEASE TELL US

IF HAPPY PLEASE TELL OTHERS

हम आशा करते है की हमारे द्‌वारा दी गई जानकारी को आप अच्छी तरह समझ गए होंगे फिर भी अगर आपको और बेहतर तरीके से इसके बारे में जानकारी लेना है तो आप हमारे ऑनलाइन एप्लीकेशन के माध्यम से हमारे शिक्षकों से जुड़कर और बेहतर तरीके से समझ सकते है हमारे शिक्षक हमेशा आपकी सेवा में तत्पर है!

धन्यवाद

महा गौरी कंप्यूटर